विषय-क्रम

विषय-प्रवेश

अध्याय १

पृ० सं०

यूरोप और भारत का संपर्क : ३-२९

यूरोपियनों का आगमन और भारतीयों की प्रतिक्रिया :— (१) पुर्तगालियों का आगमन-अलबुकर्क का शासन, पुर्तगाली भाषा और उसका हिंदी पर प्रभाव, (२) डचों का आगमन, (३) अँग्रेजों का भारत में आगमन, ईस्ट इंडिया कंपनी का जन्म, सूरत में अँग्रेजों का प्रवेश, मद्रास, बम्बई और बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी का जन्म, (४) डेनों का आगमन, (५) फ्रांसीसियों का आगमन, यूरोपियनों के प्रवेश का प्रभाव।

अध्याय २

यूरोपियनों द्वारा भारतीय भाषाओं का अनुशीलन : ३३-४४

यूरोपियनों का संस्कृत-अनुशीलन, यूरोपियनों का हिंदुस्तानी का अनुशीलन।

खंड १

(क) हिंदी के प्रमुख यूरोपियन सेवक। ४७-१८४

१. चार्ल्स विलिकिंस, २. डॉ० गिलक्रिस्ट, ३. डॉ० हेनरी थामस कोलब्रुक, ४. कैप्टेन रॉबेक, ५. हेनरी मापर्स इलियट, ६. गास-द-तासी, ७. ब्रियान हाटर हाडसन, ८. डॉ० मोनियर विलियम्स, ९. जॉन साहब, १०. जॉन क्रिश्चियन, ११. जॉन बीम्स और ग्रियर्सन, १२. जॉन ब्लाख, १३. ग्राउज, १४. डॉ० अब्राहम ग्रियर्सन, १५. रेवरेंड टी० ग्राहम बेली, १६. डॉ० हार्नले, १७. फ्रेडरिक पिन्काट, १८. डॉ० एल० पी० तेस्सीतोरी, १९. ए० पी० बरान्निकोव, २०. सेवस्तिवा रोडल्फ दाल्गादा, २१. एफ० ए० की, २२. डॉ० एल० डी० बार्नेट, २३. ए० जी० शेरिफ, २४. डॉ० कामिल बुल्के।

(ख) प्रमुख व्याकरण-लेखक : २८५-२९५

१. केटलर, २. बेंजामिन शुल्जे, ३. हेरासिस लेबेडेफ, ४ जॉन शेक्सपियर, ५. विलियम प्राइस, ६. विलियम येट्स ७. पादरी आदम, ८. वैलेन्टाइन, ९. सैण्डफोर्ड आर्नेट, १०. डंकन फोर्ब्स, ११. रेवरेंड विलियम एथरिंगटन, १२. रेवरेंड एच० एच० केलाग, १३. एडविन ग्रीव्स।

हिंदी में व्याकरण-लेखन के प्रेरक-पोषक अँग्रेज और परवर्ती व्याकरण-लेखन पर उनका प्रभाव।

(ग) प्रमुख कोशकार : २९९-२८९

१. गिलक्रिस्ट का अँगरेजी-हिंदुस्तानी कोश, २. कर्कपैट्रिक का कोश, ३. विलियम हंटर का कोश, ४. शेक्सपियर का कोश, ५. थामस रॉबेक का लोकोक्ति-संग्रह, ६. रॉबेक का नाविक कोश, ७. ओरियंटल प्रोवर्बियल डिक्शनरी, ८. शरीर-रचना और चिकित्सा-शब्दावली, ९. एम० टी० आदम का कोश, १०. द रोजारियो का अँग्रेजी, बंगला और हिंदुस्तानी कोश, ११. ग्लॉसरी का निर्माण, १२. फैलन का कोश, १३. फैलन का लोकोक्ति-कोश, १४. फैलन का कानून और वाणिज्य-कोश, १५. येट का कोश, १६. डंकन फोर्ब्स का कोश, १७. थामसन की स्कूल डिक्शनरी, १८. जॉन प्लाट्स का कोश।

खण्ड २

१. यूरोपियन—हिंदी-साहित्य के प्रेरक और प्रेषक-रूप में : २९३-२९९

ईसाई-पाठ्यपुस्तकें, उदंत मार्तण्ड और अँग्रेज, भूगोल-सार, भूगोल हस्तामलक, रानी केतकी की कहानी और अंग्रेज।

२. फोर्ट विलियम कॉलेज और उसकी देन। ३००-३२३

हिंदुस्तानी का शिक्षण-स्तर। सार्वजनिक विवाद-योजना। कॉलेज का पुस्तकालय, कॉलेज के साहित्यिक कार्यों का महत्त्व, कॉलेज के प्रकाशन। फोर्ट विलियम कॉलेज के हिंदुस्तानी प्रोफेसर—मि० डब्लू० वी० बेली का हिंदुस्तानी-

विषयक दावा, कॉलेज में हिंदुस्तानी-व्याकरण का शिक्षण-स्तर। कंपनी और फोर्ट विलियम कॉलेज की भाषा-नीति। विलियम प्राइस और हिंदुस्तानी।

३. नागरी-मुद्रण और यूरोपियन : ३२४-३३४

यूरोप में नागरी-मुद्रण का आरंभ, बंगाल में मुद्रण का आरंभ, हिंदी-मुद्रण का आदिकाल।

४. देवनागरी की रोमन लिप्यंतरण : ३३५-३४९

गिलक्रिस्ट और जोन्स प्रणाली की तुलना, गिलक्रिस्ट की रोमन-प्रणाली, एम० को० की प्रणाली, भारतीय भाषाओं के लिए रोमन लिपि, देवनागरी के प्रचार में अँग्रेजों का योगदान।

खण्ड ३

यूरोपियनों के द्वारा लिखित हिंदी पद्य और गद्य के कतिपय उदाहरण। ३५१-३८९

परिशिष्ट भाग

परिशिष्ट १

(क) सहायक और संबंधित ग्रंथ (अँग्रेजी) : ३९१-३९५

(ख) राष्ट्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध हिंदी और हिंदुस्तानी-विषयक यूरोपियन के ग्रंथों की सूची, जिससे पुस्तक-लेखन में सहायता ली गई ३९७-४०२

(ग) सहायक और संबंधित ग्रंथ (हिंदी) ४०३-४०५

परिशिष्ट २

(क) इंडिया-आफिस-लाइब्रेरी की ग्रंथ-सूची से संकलित सूचना के अनुसार यूरोपियनों के लिखित ग्रंथ ४०३-४०९

(ख) ब्रिटिश म्यूजियम लाइब्रेरी की ग्रंथ-सूची में हिंदी-हिंदुस्तानी-विषयक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ ४१०-४१२

परिशिष्ट ३

(क) सर जॉर्ज ग्रियर्सन की हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित प्रकाशित रचनाओं की कालक्रमानुसार सूची ४१३-४२२

(ख) जॉन बीम्स की रचनाएँ ४२३-४२४
(ग) १८०० ई० के पूर्व प्रकाशित हिंदुस्तानी ग्रामरों की काल-क्रमानुसार सूची ४२५-४२७

परिशिष्ट ४

(क) फोर्ट विलियम कॉलेज की सामग्री से एक अंश ४२८-४३०
(ख) फोर्ट विलियम कॉलेज की हिदवी ४३१-४३२
(ग) फोर्ट विलिमम कॉलेज की प्रश्नावली ४३३-४३५
(घ) रॉबेक के अनुसार कॉलेज के प्रकाशन ४३६
(ङ) गिलक्रिस्ट के स्ट्रेनजर्स गाइड से उद्धरण ४३७-४३९

परिशिष्ट ५

(क) शुल्जे की लैटिन भूमिका ४४०-४४२
(ख) लेबेडेफ के व्याकरण के कुछ अंश ४४३-४४६

परिशिष्ट ६

(क) प्राचीन हिंदी पुस्तकों के अँग्रेजी अनुवाद ४४७-४४९
(ख) हिंदी के यूरोपियन डाक्टर ४५०
(ग) यूरोप के विश्वविद्यालयों से हिंदी में डॉक्टर की उपाधि-प्राप्त भारतीय विद्वान् ४५१

★